



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 28 अगस्त, 1982/6 भाद्रपद, 1904

हिमाचल प्रदेश सरकार

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 21 दिसम्बर, 1981

सं० 7-9/78-निर्वाचन.—जबकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 163 की उपधारा (2) के अधीन यथा वांछित हिमाचल प्रदेश पंचायत समिति (सहकारी समितियों से प्राथमिक सदस्य) (निर्वाचन) नियम, 1981 का, उससे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से प्रारूपित नियमों के प्रकाशन की तिथि से पन्द्रह दिनों के भीतर आक्षेप और सुझाव आमन्त्रित करने हेतु, राजपत्र (असाधारण), हिमाचल प्रदेश में दिनांक 20 मई, 1981 को प्रकाशन किया गया था।

और जबकि, उक्त अवधि के भीतर कोई भी आदेश या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः अब, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 163 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल सहर्ष निम्नलिखित नियम बनाते हैं :-

भाग-1

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.- (1) ये नियम हिमाचल प्रदेश पंचायत समिति (सहकारी समितियों से प्राथमिक सदस्य) (निर्वाचन) नियम, 1981 कहे जा सकते हैं।

(2) यह तत्काल प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.- (1) इन नियमों में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) "अधिनियम" से हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 (1970 का 19) अभिप्रेत है ;

(ख) "सहायक पंजीकार" या "पंजीकार" से यथास्थिति सहकारी समितियों के "सहायक पंजीकार" या पंजीकार अभिप्रेत है ;

(ग) "फार्म" से इन नियमों से संलग्न फार्म अभिप्रेत है ;

(घ) "समिति" से प्राथमिक सहकारी समिति अभिप्रेत है।

(2) जिन शब्दों और अभिव्यक्तियों का प्रयोग इन नियमों में किया गया है परन्तु उनकी परिभाषा नहीं दी गई उनका अर्थ वही होगा जो अधिनियम में क्रमशः दिया गया है।

भाग-2

3. निर्वाचन कार्यक्रम तथा सहकारी समितियों की सूची तैयार करना.- (1) जैसे ही हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 61(1) के अन्तर्गत जिले में पंचायत समितियों के गठन की अधिसूचना जारी हो जाती है जिले का सहायक पंजीकार:-

(i) जिले में गठित की जाने वाली प्रत्येक पंचायत समिति के क्षेत्राधिकार में सहकारी समितियों के दो प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु फार्म 1 में निर्वाचन कार्यक्रम बनाएगा;

(ii) जिला में गठित की जाने वाली प्रत्येक पंचायत समिति के क्षेत्राधिकार में आने वाली प्राथमिक सहकारी समितियों की सूची तैयार करेगा;

(iii) खण्ड (ii) के अन्तर्गत तैयार की गई सूची को प्रकाशित करवा कर निम्नलिखित कार्यालयों में सहज दृश्य स्थानों पर उसकी प्रतियों को चिपकाएगा :-

(क) उपायुक्त;

(ख) उप-मण्डल अधिकारी (सिविल);

(ग) तहसीलदार;

(घ) विकास खण्ड अधिकारी; और

(ङ) अन्य ऐसे स्थान जो वह उचित समझे।

(2) ऐसी सहकारी समिति जिसे उस सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो खण्ड (iii) के अन्तर्गत प्रकाशित की गई है, को सूची में सम्मिलित करेगा यदि ऐसी प्राथमिक सहकारी समिति, जो सूची में दर्ज नहीं है, का कोई सदस्य सहायक पंजीकार को नामांकन-पत्र दाखिल करने की तिथि से 20 दिन पूर्व नाम सम्मिलित करने

हेतु आवेदन करता है और सहायक पंजीकार आवेदन-पत्र की विधिमान्यता के बारे में अपने आपको सन्तुष्ट कर लेता है।

(3) सहायक पंजीकार आदेश द्वारा, जहाँ ऐसा करना समीचीन हो, उप-नियम (1) के अन्तर्गत बनाये गये निर्वाचन कार्यक्रम को किसी भी समय संशोधित, परिवर्तित तथा उपान्तरित कर सकता है :

परन्तु तब तक सरकार अन्यथा निदेश नहीं देती ऐसे किसी आदेश से पूर्व की गई कोई कार्यवाही उस आदेश से अवरोध नहीं होगी।

4. निर्वाचन की सूचना का प्राथमिक सहकारी समिति के अध्यक्ष या प्रधान को भेजा जाना.—(1) सहायक पंजीकार प्रत्येक कार्यक्रम तथा नियम 3 में उल्लिखित अन्तिम सूची की एक-एक प्रति पंचायत समिति में प्रत्येक प्राथमिक सहकारी समिति के, यथास्थिति, अध्यक्ष या प्रधान को फार्म-2 में सूचना के साथ प्रत्येक समिति के अध्यक्ष या प्रधान से यह अपेक्षा करते हुए भेजेगा कि वह:—

- (क) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 63 (1) (ii) के अन्तर्गत पंचायत समिति के लिये दो सदस्यों के निर्वाचन हेतु उसी रीति के अनुसार जिस प्रकार उस समिति की प्रबन्धक समिति के सदस्य निर्वाचित किये जाते हैं, एक प्रतिनिधि चुनने के लिये सूचना जारी होने की तिथि से 20 दिनों के भीतर आम सभा की बैठक बुलाये ;
- (ख) इस प्रकार निर्वाचित प्रतिनिधि का नाम निर्वाचन वाले दिन ही सहायक पंजीकार को भेजे ;
- (ग) निर्वाचित प्रतिनिधि को समिति द्वारा पारित उस प्रस्ताव की प्रति सहित जिसके द्वारा उसकी प्रतिनिधित्व के लिये प्राधिकृत किया गया है, निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के समक्ष समिति के अधिकार क्षेत्र में प्राथमिक सहकारी समितियों से दो सदस्यों के निर्वाचन हेतु फार्म-1 में बनाये गये कार्यक्रम में विनिर्दिष्ट किये गये स्थान; तिथि तथा समय में उपस्थित होने को कहे :

परन्तु सहायक पंजीकार द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम इस प्रकार बनाया जायेगा कि निर्वाचन फार्म-2 में नोटिस देने की तिथि से 30 दिन के भीतर सम्पन्न हो जाये।

(2) जब भी समिति का अध्यक्ष या प्रधान, जैसी भी स्थिति हो, समिति की बैठक बुलाता है तो वह समिति के प्रतिनिधि के निर्वाचन से पूर्व सदस्यों को सहायक पंजीकार से नियम 3 के अन्तर्गत प्राप्त निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा करेगा।

(3) यदि अध्यक्ष या प्रधान, यथास्थिति, आम सभा की बैठक बुलाने में असफल रहता है या बैठक बुलाने के पश्चात् सदस्यगण उप-नियम (1) के खण्ड (क) की अपेक्षा अनुसार प्रतिनिधि चुनने में असफल रहते हैं तो समिति का प्रतिनिधि चुनने का अधिकार सम्पन्न समझा जायेगा।

(4) सहायक पंजीकार अपने जिले की प्रत्येक पंचायत समिति के प्रत्येक प्राथमिक सहकारी समिति के लिये प्रतिनिधियों के नामों की पृथक सूची तैयार करेगा जो उस पंचायत समिति की सहकारी समितियों से उसकी उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के अन्तर्गत प्राप्त हों। वह इस सूची की एक प्रति अपने कार्यालय के बाहर लगायेगा तथा उसकी एक प्रति प्रत्येक निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) को भी भेजेगा।

5. निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) की नियुक्ति.—सहायक पंजीकार निर्वाचन करवाने के लिये लिखित रूप में ऐसे व्यक्ति को रिटनिंग आफिसर नियुक्त करेगा जो राजपत्रित अधिकारी के पद से कम न हो।

6. नामांकन-पत्रों का भरा जाना तथा प्रतिभूतियों का जमा करना.—(1) कोई भी व्यक्ति जो पंचायत समिति के क्षेत्राधिकार में प्राथमिक सहकारी समिति का सदस्य है, पंचायत समितियों के दो सदस्यों के निर्वाचन के लिये नामांकित किया जा सकता है बशर्ते कि वह अपना सभी तरह से पूरा नामांकन-पत्र निर्वाचन कार्यक्रम में दी गई तिथि, स्थान तथा समय पर स्वयं प्रस्तुत करता है या अपने प्रस्तावक या समर्थक के द्वारा भेजता है।

(2) प्रत्येक उम्मीदवार का नामांकन पृथक्-पृथक् नामांकन-पत्र में फार्म-3 में दिया जायेगा जो उम्मीदवार द्वारा अनुमति के रूप में और दो ऐसे व्यक्तियों द्वारा जो प्रस्तावक और समर्थक हों, जो उसी समिति के सदस्य होंगे, द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

(3) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के नामांकन-पत्र के साथ लोक सभा या राज्य विधान सभा के सदस्य, तहसीलदार या मैजिस्ट्रेट द्वारा विधिवत सत्यापित; उस विशेष जाति या जनजाति को विनिर्दिष्ट करते हुये जिससे उम्मीदवार सम्बन्धित है, यह घोषणा भी संलग्न होनी चाहिये कि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति से सम्बन्धित है।

(4) उपर्युक्त उपबन्ध के अन्तर्गत नामांकन-पत्र दाखिल करने वाला प्रत्येक उम्मीदवार नामांकन-पत्र दाखिल करते समय या करने से पूर्व एक सौ रुपये और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में पच्चास रुपये की राशि निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के पास नकद जमा करेगा। करायेगा और जब तक यह राशि जमा नहीं करवाई जाती तब तक उम्मीदवार विधिवत नामजद नहीं समझा जायेगा।

(5) यदि कोई उम्मीदवार जिसके द्वारा या जिसकी ओर से उप-नियम (4) में निर्दिष्ट राशि जमा की गई है निर्वाचित नहीं होता और उसके पक्ष में दिये गये मत कुल वैध मतों के 1/6 भाग से कम है तो जमा की गई राशि सरकार को समपहृत हो जाएगी।

(6) (क) जमा की गई राशि उस स्थिति में :-

- (i) जहां उम्मीदवार का नामांकन-पत्र रद्द किया गया हो ;
- (ii) जहां उम्मीदवार ने विनिर्दिष्ट अवधि में अपने नामांकन-पत्र वापिस ले लिये हों ; या
- (iii) जहां उम्मीदवार की मतदान से पूर्व मृत्यु हो गई हो ;

किसी भी समय, यथास्थिति, नामांकन-पत्र रद्द होने या वापिस लिये जाने या उम्मीदवार की मृत्यु होने पर उम्मीदवार को या यदि उस द्वारा जमा नहीं की हो तो उस व्यक्ति को जिसने यह जमा की थी, को या उम्मीदवार की मृत्यु की स्थिति में उसके विधिक प्रतिनिधि को, निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के लिखित आदेश के अनुसार वापिस की जायेगी।

(ख) जमा की गई राशि उस स्थिति में :-

- (i) जहां यद्यपि उम्मीदवार निर्वाचित नहीं हुआ है, किन्तु उप-नियम (5) के अन्तर्गत जमा राशि समपहृत नहीं होती ;
- (ii) जहां उम्मीदवार निर्वाचित हुआ है ;

चुनाव परिणाम की घोषणा के पश्चात् उम्मीदवार को या यदि उस द्वारा जमा नहीं की हो तो उस व्यक्ति को जिसने यह जमा की हो, वापिस की जायेगी।

7. नामांकन-पत्रों की संवीक्षा.-(1) नामांकन-पत्रों की संवीक्षा हेतु निर्धारित समय पर उम्मीदवार, उसका प्रस्तावक और समर्थक निर्वाचन कार्यक्रम में नामांकन-पत्र की संवीक्षा हेतु विनिर्दिष्ट किये गये स्थान पर उपस्थित होंगे और निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) ऐसे व्यक्तियों को सभी उम्मीदवारों के नामांकन-पत्रों की जांच पड़ताल की समुचित सुविधाएं प्रदान करेगा।

(2) निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) तब नामांकन-पत्रों की जांच करेगा और किसी उम्मीदवार या उसके प्रस्तावक या समर्थक द्वारा नामांकन-पत्र पर उस समय उठाए गये समस्त आक्षेपों का निर्णय करेगा और ऐसे आक्षेपों के कारण या स्वविवेक से और ऐसी संक्षिप्त जांच के पश्चात् यदि कोई हो, जैसा कि वह आवश्यक समझे, किसी नामांकन-पत्र को रद्द कर सकता है :

परन्तु किसी उम्मीदवार का नामांकन-पत्र रद्द किया जायेगा, यदि :-

(क) वह हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 64 में उल्लिखित निरर्हताओं वाला है ;

(ख) यदि उम्मीदवार, उसका प्रस्तावक तथा समर्थक उसी प्राथमिक सहकारी समिति के सदस्य नहीं हैं :

परन्तु और यह कि यदि उम्मीदवार, प्रस्तावक अथवा समर्थक का परिचय बिना किसी प्रतिकूल मन्देह से अन्यथा निश्चित हो जाये, तो उम्मीदवार का नामांकन-पत्र केवल इस आधार पर रद्द नहीं किया जायेगा कि उसका अपना नाम प्रस्तावक या समर्थक का नाम अथवा अन्य विवरण अशुद्ध लिखा गया है।

8. नामांकन-पत्र वापिस लेना.—(1) कोई भी उम्मीदवार लिखित सूचना देकर अपना नामांकन-पत्र वापिस ले सकता है जो उस द्वारा हस्ताक्षरित होनी चाहिये और उम्मीदवार द्वारा स्वयं या प्रस्तावक या समर्थक द्वारा जिनको इस सम्बन्ध में ऐसे उम्मीदवार द्वारा लिखित रूप में अधिकृत किया गया हो, नामांकन-पत्र वापिस लेने के लिये निर्धारित अवधि की समाप्ति से पूर्व निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) को दी जानी चाहिये।

(2) कोई भी व्यक्ति जिसने उप-नियम (1) के अन्तर्गत नामांकन-पत्र वापिस लेने की सूचना दी है, उसको प्रत्याहारण रद्द करने की अनुमति नहीं होगी और उसी निर्वाचन के लिये पुनः नामांकित नहीं हो सकेगा।

9. उम्मीदवारों को चुनाव चिह्नों का आवंटन.—नामांकन-पत्र वापिस लेने के लिये निर्धारित अवधि की समाप्ति पर निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर), प्रत्येक वैध नामजद उम्मीदवार को (जिसे इसमें इसके पश्चात् चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार कहा जायेगा) चुनाव चिह्नों की अनुमोदित सूची में जिसे निर्देशक निर्वाचन (स्थानीय निर्वाचन) हिमाचल प्रदेश द्वारा अधिसूचना द्वारा विहित किया जायेगा, एवं चुनाव चिह्न आवंटित करेगा।

10. नामांकन की सूची का लगाना.—प्रत्येक लड़ने वाले उम्मीदवार को चुनाव चिह्न आवंटित करने के तुरन्त पश्चात् निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) फार्म—4 में हिन्दी, देवनागरी लिपि की वर्णमाला के क्रमानुसार चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची जितमें प्रत्येक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार के नाम के सामने उसे आवंटित किया गया चिह्न दर्शाया गया हो, तैयार करके अपने कैम्प कार्यालय के बाहर लगा कर प्रकाशित करेगा।

11. विधिवत नामांकित उम्मीदवारों की सूची के प्रकाशन के पश्चात् कार्य विधि.—(1) यदि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की संख्या के समान हो तो निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) सभी उम्मीदवारों को विधिवत निर्वाचित घोषित करेगा।

(2) यदि उम्मीदवारों की संख्या निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों से कम हो तो निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) ऐसे सभी उम्मीदवारों को विधिवत निर्वाचित घोषित करेगा और निर्वाचित उम्मीदवारों की सूची सहित रिक्त स्थानों की संख्या को विनिर्दिष्ट करते हुये एक विवरण सहायक पंजीकार और जिलाधीश को भेजेगा। फिर सहायक पंजीकार शेष रिक्त स्थानों को भरने के लिये नियम 3 के अन्तर्गत कार्यवाई करेगा।

(3) यदि ऐसे उम्मीदवारों की संख्या निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की संख्या से अधिक हो, तो गुप्त मतदान द्वारा निर्वाचन होगा। केवल उन्हीं मतदाताओं के मत लिये जा सकेंगे जो अपने साथ सम्बन्धित समिति द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रतिलिपि, जो सम्बन्धित समिति के प्रधान, अध्यक्ष या सचिव, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा अनु-प्रमाणित हो और जिसने द्वारा मतदाताओं को प्रतिनिधित्व के लिये प्राधिकृत किया गया हो, लाते हैं।

(4) मतदान की समाप्ति के तुरन्त पश्चात् निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) ऐसे उम्मीदवारों के सम्मुख जो उपस्थित हों, मतपत्रों की गणना करेगा और परिणाम की निम्न प्रकार से घोषणा करेगा :—

(क) चुनाव लड़ने वाला उम्मीदवार जो सबसे अधिक वैध मत प्राप्त करता है; या जब एक से अधिक सदस्य निर्वाचित किये जाने हों, तो चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में से चुने जाने वाले व्यक्तियों की संख्या के बराबर वे उम्मीदवार जिन्होंने सबसे अधिक वैध मत प्राप्त किये हैं, निर्वाचित घोषित किये जायेंगे।

(ख) दो सदस्यों के चुनाव के लिये प्रत्येक मतदाता दो मत देगा। चुनाव लड़ने वाले समस्त उम्मीदवारों के नाम और चुनाव चिह्न मत-पत्र पर प्रकट होंगे और मतदाता दो उम्मीदवारों के नामों के सम्मुख जिनको वह अपना मत देना चाहता हो एरो क्रॉस चिह्न वाली मोहर लगाएगा।

(ग) ऐसी स्थिति में जहाँ चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा बराबर मत प्राप्त किये गए हों निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) ऐसे उम्मीदवारों की उपस्थिति में जितने स्थान भरे जाने हैं उतने के लिये लाट (पर्ची) डालेगा और जिस उम्मीदवार या उम्मीदवारों के नाम पहले निकलेगा या निकलेंगे उसको या उनको निर्वाचित घोषित करेगा।

12. कार्यवाही का अभिलेख तैयार करना तथा चुनाव परिणाम का प्रकाशन.—मतदान की सम्पन्नता के तुरन्त पश्चात् निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर):—

- (क) फार्म-5 में निर्वाचन की कार्यवाही का अभिलेख तैयार करेगा और इस पर हस्ताक्षर करेगा, उसमें की गई प्रत्येक शुद्धि को अपने अर्ध-हस्ताक्षर से अनु-प्रमाणित करेगा और प्रत्येक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को, यदि वह ऐसा करना चाहे, ऐसे अभिलेख में हस्ताक्षर करने या अंगूठा लगाने की अनुमति देगा, और
- (ख) चुनाव परिणाम की एक प्रति पंचायत समिति के कार्यालय में और ऐसे अन्य सहज दृश्य स्थान पर, जो चुनाव अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) द्वारा निर्धारित किया जाए, चिपका कर प्रकाशित करेगा और साथ ही एक प्रति जिलाधीश को शासकीय राजपत्र में प्रकाशन हेतु और एक प्रति सहायक पंजीकार को अभिलेख हेतु भेजेगा।

13. निर्वाचन सामग्री का बांधना तथा उसका अनुरक्षण.—(1) निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) मत-पत्र तथा निर्वाचन सम्बन्धी अन्य पत्रों को पृथक-पृथक पैकेटों में डालकर उनको मोहर-बन्द करके प्रत्येक पैकेट पर उसके अन्दर डाली गई अन्तर्वस्तु का विवरण निर्वाचन जिससे वे सम्बन्धित हैं तथा उसकी तिथि लिखेगा,

(2) पैकेटों को सम्बन्धित जिलाधीश के कार्यालय में छः मास तक सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जायेगा; और उसके पश्चात् यदि सरकार या अधिनियम के अन्तर्गत इस सम्बन्ध में विहित प्राधिकारी द्वारा जब तक अन्यथा निर्देशित न हो, इन्हें नष्ट किया जायेगा।

भाग—3

प्रकीर्ण

14. आकस्मिक रिक्रियों के भरने की प्रक्रिया.—जब पंचायत समिति के इन नियमों के अन्तर्गत निर्वाचित सदस्यों में से किसी सदस्य का पद मृत्यु, त्यागपत्र या अपदस्थता के कारण रिक्त होता है और उसके स्थान पर नये सदस्य का निर्वाचन हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 70 के उपबन्धों के अनुसार होता है तो, यह निर्वाचन उसी रीति के अनुसार होगा जैसा कि इन नियमों में सामान्य निर्वाचन हेतु विहित है और निर्वाचन कार्यक्रम रिक्त होने के पश्चात् यथाशीघ्र सुविधाजनक ही बनाया जायेगा।

15. अधीक्षण, नियन्त्रण तथा निदेश.—ये निर्वाचन, निदेशक निर्वाचन (स्थानीय निकाय) हिमाचल प्रदेश के अधीक्षण और नियन्त्रण के अधीन संचालित होंगे। वह इस सम्बन्ध में ऐसे निदेश देगा जैसे वह ठीक समझे। यदि इन नियमों में निर्वाचन के बारे में कोई शंका या विवाद हो तो वे निदेशक निर्वाचन (स्थानीय निकाय) हिमाचल प्रदेश को भेजे जाएंगे और उनका विनिश्चय अन्तिम होगा।

16. निर्वाचन याचिका.—इन नियमों के अन्तर्गत पंचायत समिति के लिये निर्वाचित किसी भी सदस्य के निर्वाचन को किसी प्राधिकारी या न्यायालय में अधिनियम की धारा 187 के अधीन निर्वाचन याचिका के अतिरिक्त अन्यथा चुनौती नहीं दी जायेगी। निर्वाचन याचिका प्रस्तुत करने तथा उनके निपटाने हेतु उपबन्ध, जैसे हिमाचल प्रदेश पंचायत समिति निर्वाचन नियम, 1973 के भाग-7 में दिये गये हैं, इन नियमों के अन्तर्गत हुये निर्वाचनों सम्बन्धी निर्वाचन याचिकाओं के, प्रस्तुतीकरण और निपटाने में भी यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

फार्म-1

[नियम 3 का उप-नियम (1) देखिये]

पंचायत समिति क्षेत्राधिकार में आने वाली सहकारी समितियों में दो सदस्यों के निर्वाचन के लिये निर्वाचन कार्यक्रम :-

1. जिले का नाम
2. पंचायत समिति का नाम
3. निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) का नाम
4. निम्न के लिये तिथि, समय और स्थान:

- (क) नामांकन-पत्र भरने
- (ख) नामांकन-पत्रों की संवीक्षा
- (ग) नामांकन-पत्रों को वापिस लेने
- (घ) यदि आवश्यक हो तो मतदान

दिनांक.

सहायक पंजीकार के हस्ताक्षर ।

फार्म-2

[नियम 4 का उप-नियम (1) देखें]

सहकारी समिति के प्रधान या अध्यक्ष को सूचना

सेवा में,

अध्यक्ष या प्रधान,
प्राथमिक सहकारी समिति,

(यहां समिति के अध्यक्ष या प्रधान का पूरा पता लिखें)

आपसे हिमाचल प्रदेश पंचायत समिति (सहकारी समितियों से प्राथमिक सदस्य) (निर्वाचन) नियम, 1981 के नियम 3 (1) के अन्तर्गत अपेक्षा की जाती है कि आप इस सूचना की तिथि से बीस दिन के अन्दर, समिति के एक सदस्य को दिनांक. को होने वाले चुनाव में, जैसा कि संलग्न कार्यक्रम में विनिर्दिष्ट है, प्रतिनिधित्व हेतु प्राधिकृत करने के लिये समिति की आम सभा की बैठक बुलायें।

(2) आप इस प्रकार आम सभा द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि का नाम सहायक पंजीकार को उसी दिन भेज दें जिस दिन समिति की आम सभा द्वारा उसका निर्वाचन हुआ है।

(3) सदस्य को, निर्वाचन के लिये निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर आप या समिति के सचिव द्वारा अनु-प्रमाणित समिति के प्रस्ताव की प्रतिलिपि सहित निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के सम्मुख उपस्थित होने के लिये कहा जाये।

(4) कृपया इस बात का ध्यान रखें कि केवल समिति के प्रस्ताव द्वारा प्राधिकृत सदस्यों को ही निर्वाचन भाग लेने की अनुमति दी जायेगी।

(सहायक पंजीकार के हस्ताक्षर)

फार्म-3

[नियम 5 का उप-नियम (2) देखें]

नामांकन-पत्र

1. ज़िले का नाम
2. पंचायत समिति का नाम
3. (क) उम्मीदवार का नाम
(ख) पिता/पति का नाम
(ग) पता
(घ) समिति का नाम जिसका उम्मीदवार सदस्य है
4. (क) प्रस्तावक का नाम
(ख) प्रस्तावक का पता
(ग) समिति का नाम जिसका प्रस्तावक सदस्य है
(घ) प्रस्तावक के हस्ताक्षर
5. (क) समर्थक का नाम
(ख) समर्थक का पता
(ग) समिति का नाम जिसका समर्थक सदस्य है
(घ) समर्थक के हस्ताक्षर

उम्मीदवार द्वारा घोषणा

मैं, उक्त नाम का उम्मीदवार, इस नामांकन-पत्र को अपनी सहमति प्रदान करता हूँ और एतद्द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि मैं हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 74 के अधीन उल्लिखित किसी भी अयोग्यता को धारण नहीं करता हूँ और मैं पंचायत समिति के प्राथमिक सदस्य के चुनाव के लिये निरहंत उम्मीदवार हूँ।

दिनांक.

उम्मीदवार के हस्ताक्षर।

स्थान.

अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवार द्वारा घोषणा

मैं, एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं जाति/जन-जाति जो प्रदेश में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति घोषित की गई है का सदस्य हूँ।

दिनांक.

उम्मीदवार के हस्ताक्षर।

स्थान.

अनु-प्रमाणित

समद या विधान सभा सदस्य/मैजिस्ट्रेट या तहसीलदार के हस्ताक्षर

निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) द्वारा पृष्ठांकन

क्रम संख्या.

यह नामांकन-पत्र मुझे द्वारा
दिनांक (को) समय दिया गया।

दिनांक.

निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के हस्ताक्षर।

स्थान.

निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) का आदेश

स्वीकृत/अस्वीकृत :

अस्वीकृत हेतु कारण :

दिनांक.....

निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के हस्ताक्षर ।

स्थान.....

फार्म-4

(नियम 10 देखें)

निर्वाचन के लिये विधिवत् नामित उम्मीदवारों की सूची

क्रम सं०	उम्मीदवार का नाम तथा विवरण	आवंटित चिह्न	अभ्युक्तियां
1	2	3	4

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के हस्ताक्षर ।

फार्म-5

(नियम 12 देखें)

1. जिले का नाम
2. पंचायत समिति का नाम
3. निर्वाचन कार्यक्रम के प्रकाशन की तिथि
4. नामांकन-पत्र:

- (1) नामांकन-पत्र दाखिल करने की तिथि, समय तथा स्थान
- (2) दाखिल किये गये नामांकन-पत्रों की संख्या
- (3) नामांकन-पत्रों की संवीक्षा की तिथि, समय तथा स्थान
- (4) वापिस लिये गये नामांकन-पत्रों की संख्या
- (5) अस्वीकृत नामांकन-पत्रों की संख्या
- (6) स्वीकृत नामांकन-पत्रों की संख्या

5. (1) मतदान की तिथि, समय तथा स्थान
 (2) चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या
6. निर्वाचित सदस्यों की संख्या :

क्रम संख्या

सफल उम्मीदवारों के नाम

- (क) महिलाएं
 (ख) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति
 (ग) अन्य

स्थान निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग आफिसर) के हस्ताक्षर

अनंगपाल,
 सचिव (निर्वाचन),
 हिमाचल प्रदेश सरकार ।

(In pursuance of the provision of clause (3) of Article 348, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to order the publication of the following English translation of notification No. 7-9/78-Elec., dated 21st December, 1981.

HIMACHAL PRADESH SARKAR NIRVACHAN VIBHAG

NOTIFICATION

Simla-171002, the 21st December, 1981

No. 7-9/78-Elec.—Whereas the draft Himachal Pradesh Panchayat Samiti (Primary Members from Co-operative Societies) (Election) Rules, 1981, were published as required under sub-section (2) of section 163 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1968, in the Himachal Pradesh Rajpatra (Extra-ordinary) dated 20-5-1981 for inviting objections and suggestions from the persons likely to be affected thereby within a period of 15 days from the date of publication of the draft rules.

And whereas, no objections or suggestions have been received within the above period.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 163 of the aforesaid Act, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the following rules:—

PART I

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Panchayat Samiti (Primary Members from Co-operative Societies) (Election) Rules, 1981.

(2) They shall come into force at once.

2. *Definitions.*—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) 'Act' means the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1968 (19 of 1970);

(b) 'Assistant Registrar' or 'Registrar' means the Assistant Registrar or Registrar, Co-operative Societies, as the case may be;

(c) 'form' means a form appended to these rules;

(d) 'society' means a Primary Co-operative Society.

(2) The words and expressions used but not defined in these rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

PART II

3. *Preparation of election programme and list of Co-operative Societies.*—(1) As soon as the notification to constitute Panchayat Samiti in a district, under section 61 (1) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1968 is issued, the Assistant Registrar of the district shall:—

(i) draw up election programme in Form I for the election of two representatives of co-operative societies, within the jurisdiction of every Panchayat Samiti to be constituted in the district;

(ii) prepare a list of primary co-operative societies within the jurisdiction of every Samiti to be constituted in the district;

(iii) publish the list of co-operative societies prepared under clause (ii) by posting its copies at conspicuous places at the office of:—

(a) Deputy Commissioner;

(b) Sub-Divisional Officer (Civil);

(c) Tehsildar;

(d) Block Development Officer; and

(e) such other places as he may deem fit.

(2) Include a co-operative society, not included in the list, in the list published under clause (iii), if any member of Primary Co-operative Society which is not included in the list has applied to the Assistant Registrar, not later than twenty days prior to the date fixed for filing of nomination papers, to include such Primary Co-operative Society in the list and the Assistant Registrar, has satisfied himself about the validity of the application.

(3) The Assistant Registrar may by an order wherever it is expedient to do so, amend, vary or modify the election programme drawn up under sub-rule (1) at any time:

Provided that unless the Government directs otherwise, no such order shall invalidate any proceedings already taken before the date of such an order.

4. *Notice of election to be sent to Chairman or President of the Primary Co-operative Society.*—

(1) The Assistant Registrar shall then send a copy each of the programme and final list mentioned in rule 3 to the President or the Chairman, as the case may be, of every Primary Co-operative Society in the Panchayat Samiti along with a Notice in Form II calling upon the President or the Chairman of each society to :—

(a) convene within twenty days of the issue of the notice, a meeting of the general body of Members to elect one representative of the Society for the election of two members to the Panchayat Samiti under section 63 (1) (ii) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj

Act, 1968, in the manner in which the Members of the Managing Committee of that society are elected ;

- (b) send the name of the representative thus elected to the Assistant Registrar on the day the election is held;
- (c) direct the society's representative to present himself with a copy of society's resolution authorising him to represent Primary Co-operative Societies within the Samitis jurisdiction;

Provided that the programme shall be drawn up by the Assistant Registrar in such a manner that the election is completed within 30 days of the date of the issue of the notice in Form II.

(2) When a meeting is convened by the Chairman or the President, as the case may be, of the society he shall, before the election of the representative of the society is held, announce to the members the election programme received from the Assistant Registrar under rule 3.

(3) If the Chairman or the President, as the case may be, fails to convene a meeting of the general body, or having convened a meeting the members fail to elect a representative of the society, as required by clause (a) of sub-rule (1), the society shall be deemed to have forfeited the right of electing its representative.

(4) The Assistant Registrar shall, for each Panchayat Samiti in his district, prepare a separate list of the names of representatives of the Primary Co-operative Societies in that Panchayat Samiti received by him under clause (b) of sub-rule (1). He shall post a copy of this list outside his office and shall also send a copy thereof to each Returning Officer.

5. *Appointment of Returning Officer.*—The Assistant Registrar shall appoint in writing a Returning Officer who shall not be below the rank of gazetted officer, to conduct the election.

6. *Filing of nomination papers and depositing of securities.*—(1) Any person who is a member of a Primary Co-operative Society within the jurisdiction of the Panchayat Samiti, may be nominated as a candidate for the election of two members to the Panchayat Samitis, provided he delivers in person, or sends through his proposer or seconder, a nomination paper completed in all respects on the date, time and place specified in the election programme.

(2) The nomination of each candidate shall be made on a separate nomination paper in Form III and must be subscribed by the candidate himself as assenting to the nomination, and by two such persons as proposer and seconder who are members of that society.

(3) The nomination paper of a member of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes shall also be accompanied by a declaration duly verified by a member of Parliament or the State Legislature, Tehsildar or a Magistrate, that the candidate is a member of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes specifying the particular caste or tribe to which the candidate belongs.

(4) Each candidate filing a nomination paper under the above provision shall, at or before the time of delivery of his nomination paper, deposit, or cause to be deposited a sum of one hundred rupees and in the case of a Scheduled Castes or Scheduled Tribes candidate, a sum of fifty rupees in cash with the Returning Officer, and no candidate shall be deemed to be duly nominated unless such deposit has been made.

(5) If a candidate by whom or on whose behalf the deposit referred to in sub-rule (4) has been made is not elected and the number of votes, polled by him is less than one-sixth of the total valid votes polled, the deposit shall be forfeited to the Government.

(6) (a) The deposits in the cases—

(i) where the nomination paper of the candidate has been rejected;

(ii) where the candidate has withdrawn his nomination paper within the specified time;

or

(iii) where the candidate had died before the commencement of the poll;

shall by an order in writing of the Returning Officer, be returned at any time after such rejection or withdrawal of the nomination paper or the death of the candidate, as the case may be, to the candidate, or, if not made by him to the person by whom it was made or where the candidate has died, to his legal representatives.

(b) The deposit in the cases—

(i) where the candidate, though not elected, does not forfeit his deposit under sub-rule (5); or

(ii) where the candidate is elected;

shall be returned to the candidate or if not made by him to the person by whom it was made, after the declaration of the result of the election.

7. *Scrutiny of nomination papers.*—(1) At the time appointed for the scrutiny of nominations, the candidate, his proposer and seconder may attend such place as may be specified in the election programme for the scrutiny of nomination papers and the Returning Officer shall give such persons all reasonable facilities to examine the nomination papers for all the candidates.

(2) The Returning Officer shall then examine the nomination papers and shall decide all objections which may be made at the time to any nomination by any candidate or his proposer or seconder and may, either on such objections, or on his own motion and after such summary enquiry, if any, as he may deem necessary, reject any nomination:

Provided that the nomination of a candidate shall be rejected, if—

(a) he suffers from any disqualification mentioned in section 64 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1968;

(b) if the candidate, his proposer and seconder are not the members of the same Primary Co-operative Society :

Provided further that the nomination of a candidate shall not be rejected merely on the ground of an incorrect description of his name or of the name of his proposer or seconder, or of any other particulars if the identity of the candidate, proposer or seconder, as the case may be, on otherwise be established beyond reasonable doubt.

8. *Withdrawal of nomination papers.*—(1) Any candidate may withdraw his nomination by a notice in writing, which shall be subscribed by him and delivered either in person or through his proposer or seconder who has been authorised in this behalf in writing by such candidate to the Returning Officer before the expiry of the time allowed for the withdrawal of nomination papers.

(2) No person, who has given a notice of withdrawal under sub-rule (1), shall be allowed to cancel the withdrawal or be re-nominated as candidate for the same election.

9. *Allotment of symbols to candidates.*—The Returning Officer shall, on the expiry of the time fixed for the withdrawal of nomination papers, allot to each validly nominated candidate (hereinafter called contesting candidate) a symbol out of the approved list of symbols which shall be prescribed by the Director of Elections (Local Bodies), Himachal Pradesh.

10. *List of nomination to be posted.*—The Returning Officer shall, immediately after symbols have been allotted to each contesting candidate, prepare and publish by posting outside his camp office in alphabetical order in Hindi, in Devanagari script a list in Form IV showing against each contesting candidate the symbol allotted to him.

11. *Procedure after publication of list of validly nominated candidates.*—(1) If the number of contesting candidates is equal to the number of persons to be elected, the Returning Officer shall declare all such candidates duly elected.

(2) If the number of such candidates is less than the number of persons to be elected, the Returning Officer shall declare all such candidates duly elected and shall forward a list of the elected candidates to the Assistant Registrar and the Deputy Commissioner together with a report, specifying the number of unfilled seats. The Assistant Registrar shall then take action under rule 3 to fill up the remaining vacancies.

(3) If the number of such candidates exceeds the number of persons to be elected, an election shall be held by secret ballot. The votes of only such electors who bring with them a copy of the resolution of the society, duly attested by the President, the Chairman or the Secretary as the case may be, of that Society, authorising the elector to represent the Society shall be taken.

(4) Immediately after the polling is over, the Returning Officer shall count the votes in the presence of such candidates as may be present and declare the result in the following manner:—

- (a) The contesting candidate who is found to have obtained the large number of valid votes, or if more than one is to be elected, the contesting candidates upto the number of persons to be elected who are found to have obtained the large number of valid votes, shall be declared to have been elected.
- (b) In the event of an election of two Members each voter shall cast two votes. The names and symbols of all contesting candidates will appear on a ballot paper and the voter will put arrow cross mark seal against the names of two contesting candidates in whose favour he intends to vote.
- (c) In the event of a number of contesting candidates, polling the same number of votes, the Returning Officer shall draw lots in the presence of such candidates for the number of seats that remain to be filled and the candidate or candidates whose name or names is or are first drawn shall be declared to have been duly elected.

12. Preparation of record of proceedings and publication of result of election.— Immediately after the voting is over, the Returning Officer shall,—

- (a) prepare in Form V a record of the proceedings of election and sign it, attesting with his initials every correction made therein, and also permit every contesting candidate, if he expresses his desire to do so, to affix his signatures or thumb impression to such record, and
- (b) publish the election result by posting a copy of it at the office of the Panchayat Samiti and at such other conspicuous place as may be determined by the Returning Officer and shall at the same time send a copy to the Deputy Commissioner for publication in the Official Gazette and a copy to the Assistant Registrar for record.

13. Packing and preservation of election material.—(1) The Returning Officer shall then make up into separate packets the ballot papers and other papers relating to the election, seal up the packets and note thereon a description of the contents, the election to which they relate, and the date thereof.

(2) The packets shall be retained in safe custody in the office of the Deputy Commissioner concerned for a period of six months and shall then unless otherwise directed by the Government or the authority prescribed under the Act in this behalf, be destroyed.

PART III

14. Procedure for filling casual vacancies.—When a vacancy occurs among the members of a Panchayat Samiti elected under these rules by death, resignation or removal of any member and a new member is to be elected in his place in accordance with the provisions of Section 70 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1968, such election shall be conducted in the manner

as prescribed in these rules for a general election and the programme of election shall be framed as soon as may be convenient, after the occurrence of the vacancy.

15. *Superintendence, control and direction.*—These elections shall be conducted under the superintendence and control of the Director of Elections (Local Bodies), Himachal Pradesh. He shall issue such directions in this behalf as he may consider appropriate. In case there is any doubt or dispute regarding interpretation of these rules, the same shall be referred to the Director of Elections (Local Bodies), Himachal Pradesh and his decision shall be final.

16. *Election petition.*—The election of a member of the Panchayat Samiti elected under these rules shall not be called in question before any authority or in any court except by way of an election petition under section 187 of the Act. The provisions for the presentation and disposal of the election petitions as contained in Part VII of the Himachal Pradesh Panchayat Samiti Election Rules, 1973, shall *mutatis mutandis* apply to the presentation and disposal of election petitions in relation to the elections conducted under these rules.

FORM I

[See sub-rule (1) of rule 3]

PROGRAMME FOR THE ELECTION OF TWO MEMBERS TO REPRESENT CO-OPERATIVE SOCIETIES WITHIN THE JURISDICTION OF PANCHAYAT SAMITI

1. Name of District
2. Name of Panchayat Samiti
3. Name of Returning Officer
4. Date, time and place for:—
 - (a) filing of nomination papers
 - (b) scrutiny of the nomination papers
 - (c) withdrawal of the nomination papers
 - (d) taking of poll, if necessary

Dated

Signature of the Assistant Registrar.

FORM II

[See sub-rule (1) of rule 4]

NOTICE TO THE CHAIRMAN/PRESIDENT OF CO-OPERATIVE SOCIETY

To
 The Chairman/President
 of the Primary Co-operative Society,

 (here give full address of the Chairman/President of the Society).

You are hereby called upon under rule 3 (1) of the Himachal Pradesh Panchayat Samiti (Primary Member from Co-operative Societies) (Election) Rules, 1981 to convene, within twenty days from the date of this Notice, a meeting of the general body of the society for the authorisation of one of the society's member to represent it at the election to be held on..... as specified in the programme enclosed.

2. You should also send the name of the representative thus elected to the Assistant Registrar, on the day such election is held by the general body of the society.

3. The member should be directed to present himself before the Returning Officer, with a copy of the resolution of the Society, duly attested by you or the Secretary of the Society at the appointed date, time and place for the said election.

4. Please note that the members authorised by the society's resolution will only be permitted to participate in the election.

(Signature of the Assistant Registrar).

FORM III

[See sub-rule (2) of rule 5]

NOMINATION PAPER

- (1) Name of District.....
- (2) Name of Panchayat Samiti.....
- (3) (a) Name of candidate.....
- (b) Father's or husband's name.....
- (c) Address
- (d) Signature of the proposer.....
- (4) (a) Name of the seconder.....
- (b) Address of the seconder.....
- (c) Name of the society of which the seconder is a member.....
- (d) Signature of the seconder.....

DECLARATION BY THE CANDIDATE

I, the above named candidate, give my consent to this nomination and hereby declare that I do not incur any of the disqualification mentioned in section 64 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1968, and that I am qualified to be a candidate for election as a primary member of the Panchayat Samiti.

Date.....

(Signature of the Candidate).

Place.....

DECLARATION BY A CANDIDATE WHO IS A MEMBER OF A SCHEDULED CASTE OR SCHEDULED TRIBE

I, do hereby declare that I am a member of the.....caste/tribe, which has been declared to be Scheduled Caste/Scheduled Tribe in relation to the State.

Date.....

(Signature of the Candidate).

Verified:

Signature of the Member of Parliament/State Legislative Assembly/
Magistrate/Tehsildar.

ENDORSEMENT BY THE RETURNING OFFICER

Serial No.....

This nomination paper was presented to me by..... (Name) at.....
(Date and hour).

Date.....

(Signature of the Returning Officer).

Place.....

ORDER OF THE RETURNING OFFICER

Accepted/Rejected
Reasons for rejection

Date.....
Place.....

(Signature of the Returning Officer).

FORM IV
(See Rule 10)

LIST OF VALIDLY NOMINATED CANDIDATES FOR ELECTION

Serial No.	Name and description of candidate	Symbol allotted	Remarks
1.			
2.			
3.			
4.			

(Signature of the Returning Officer).

FORM V
(See rule 12)

1. Name of District ..
2. Name of Panchayat Samiti ..
3. Date of publication of election programme ..
4. Nomination papers—
 - (1) Place, date and time of filling nomination papers ..
 - (2) Number of nomination papers filed ..
 - (3) Place, date and time of scrutiny of nomination papers ..
 - (4) Number of nomination papers withdrawn ..
 - (5) Number of nomination papers rejected ..
 - (6) Number of nomination paper accepted ..
5. (1) Date, time and place of polling ..
- (2) Number of contesting candidates ..
6. Number of Members elected ..

Sl. No.	Name of successful candidate
(a) Women	
(b) Scheduled Castes/Scheduled Tribes	
(c) Others	

Date.....

(Signature of Returning Officer).

ANANG PAL,
Sachiv (Nirvachan).

